तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज **प्रार्थना पत्र मुन्तकिली/टीए/9943/2025/अजमेर** **बृजराजसिंह बनाम निशा सहारण**	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
11-11-2025	**एकल–पीठ** **श्री गौरव बजाड़, सदस्य** पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी द्वारा जरिये अभिभाषक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि प्रश्नगत प्रकरण दिनांक 06–10–2025 को Infructuous सारहीन होना मानते हुए खारिज किया गया है। प्रार्थी द्वारा मुन्तकिली प्रार्थना पत्र में मण्डल द्वारा पारित आदेश की अवहेलना किये जाने पर अवमानना प्रार्थना पत्र पेश किया गया था। उक्त प्रकरण को सहवन से मुन्तकिली प्रार्थना पत्र समझकर पीठासीन अधिकारी का स्थानान्तरण हो जाने के आधार पर दिनांक 06–10–2025 को Infructuous होना मानते हुए सारहीन होने से निरस्त किया गया है। जबकि उक्त प्रकरण अवमानना प्रार्थना पत्र से संबंधित है। अतः प्रार्थी व उसके अधिवक्ता की अनुपस्थिति में सद्भाविक कारण से पारित प्रश्नगत आदेश को निरस्त किया जाकर बाजदायरी प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर अवमानना प्रार्थना पत्र सं0 2025/6164 को पुनः नंबर पर लिया जावें। प्रकरण को पुनः सुनवाई पर लेकर गुणावगुण पर निर्णित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। पत्रावली का आद्योपान्त अध्ययन व परिशीलन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रश्नगत प्रकरण अवमानना प्रार्थना पत्र से संबंधित था जिसे संबंधित पीठासीन अधिकारी के	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज **प्रार्थना पत्र मुन्तकिली/टीए/9943/2025/अजमेर** **बृजराजसिंह बनाम निशा सहारण**	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	स्थानान्तरण के आधार पर सहवन से खारिज किया गया है। इसलिए प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायहित में स्वीकार किया जाना उचित समझते हैं। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर मण्डल के आदेश दिनांक 06–10–2025 को निरस्त करते हुए प्रकरण सं0 2025/6164 को पुनः नंबर पर लिये जाने के आदेश दिये जाते हैं। प्रार्थना पत्र फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया। **(गौरव बजाड़)** **सदस्य**	